



युवा प्रभाग-दिव्य दर्पण ग्रुप
अक्टूबर, 2013 मास के पुरुषार्थ की प्वाइंट्स

अक्टूबर मास का चार्ट:

लक्ष्य – साथी और साक्षी स्थिति।

हम आत्माएं कितनी भाग्यशाली है जो हमारा साथी स्वयं भगवान है। जिसने हर समय, हर घड़ी, हर वक्त हमारा साथ निभाने का वायदा किया है। जिसका साथी स्वयं सर्व शक्तिवान हो उसे भला परिस्थितियाँ, विघ्न, आपदाएं, समस्याएं क्या कर सकती है! वे आत्माएं सदा विजय है। सफलता उनके कदम चुमती है। जो साथी के साथ का अनुभव करता है वही साक्षी अवस्था में रह सकता है। इस World Drama के खेल को साथी के साथ साक्षी हो बैठ Enjoy करना है। हर एक आत्मा का पार्ट अलग-अलग है। इस खेल की हर सिन अलग-अलग है और सबसे अच्छी बात यह है कि यह खेल सम्पूर्ण रूप से कल्याणकारी है।

तो आईए, हम निरन्तर साथी के साथ का अनुभव करें और सदा साक्षी स्थिति द्वारा अचल अडोल बनकर विश्व के सामने उदाहरणमूर्त बनें।

विधि :

सप्ताह	दिव्य दर्पण का पुरुषार्थ
पहला	बाबा के साथ का अनुभव
दूसरा	स्वयं का पार्ट साक्षी हो देखना
तीसरा	दूसरों का पार्ट साक्षी हो देखना
चौथा	हर परिस्थिति को साक्षी हो देखना

हर सप्ताह में जो लक्ष्य दिया है उस पर चिन्तन करके 10 लाईन कम से कम लिखनी है। फिर सारे दिन में उसे धारण करने का अभ्यास करना है। रोज रात को चेक करना है कि कितना % साथी और साक्षी स्थिति रही और अनुभव लिखना है।

❖ विशेष Activity: मास के प्रथम रविवार को सभी युवा एवं दिव्य दर्पण चार्ट भरनेवाले भाई-बहनों का वर्कशोप रखें। जिसमें ग्रुप बनाकर उन्हें निम्नलिखित प्रश्नों पर विचार विमर्श करायें:

1. साथी एवं साक्षी अवस्था क्या है,
2. उसके लिए धारणाएं कौन सी चाहिए,
3. उसके फायदें एवं प्राप्तियां क्या है।
4. Action Plan बनाएं।

❖ फ्रेमबुक में ऊपर चार पंक्तियों में निम्नलिखित बिन्दु लिखकर उसका परिणाम प्रतिदिन रात को सोने से पहले लिखें:

1. गुड मॉर्निंग - 3.30
2. अमृतवेला - 3.30 से 4.45, बाबा के कमरे में
3. व्यायाम/पैदल- हाँ जी
4. ट्रैफिक कंट्रोल- 5
5. मुरली क्लास - क्लास में सुनी
6. अव्यक्त मुरली पढ़ी? - हाँ जी
7. स्वमान की स्मृति - बहुत अच्छी
8. नुमाशाम का योग- हाँ जी
9. साथी एवं साक्षी - 50%
10. गुड नाइट- रात्रि 9.30

❖ इस मास हम विशेष निम्नलिखित दो मर्यादाओं का कंगन बाँधेंगे:

1. तुम्हीं से खाऊ, तुम्हीं संग बैठू, तुम्हीं से बातें करू।
 2. देखते हुए नहीं देखना।
- अभ्यास: हर घण्टे 1 मिनट प्यार से बाबा को विशेष याद करना है और ड्रामा कल्याणकारी है वह स्मृति में लाना।
 - दिव्य दर्पण के विशेष अभ्यास के साथ-साथ फ्रेम बुक में आज की मुरली के पश्चात् कम से कम 21 बार आज का स्वमान लिखना है या चिन्तन कर 10 प्वाइंट्स लिखनी है एवं कोई अनुभव हुआ हो तो वह जरूर लिखें।

❖ स्वमान:

1. मैं आत्मा कम्बाईन्ड स्वरूप हूँ।	16. मैं आत्मा सर्व से सन्तुष्ट हूँ।
2. मैं आत्मा शिवशक्ति हूँ।	17. मैं आत्मा सर्व स्नेही हूँ।
3. मैं आत्मा भगवान का बच्चा हूँ।	18. मैं आत्मा क्षमाशील हूँ।
4. मुझ आत्मा का साथी स्वयं भगवान है।	19. मैं आत्मा रहमदिल हूँ।
5. मैं आत्मा बाबा के गले का हार हूँ।	20. मैं आत्मा शुभ चिन्तक हूँ।
6. मैं आत्मा दिलतख्तनशीन हूँ।	21. मैं आत्मा पूर्वज हूँ।
7. मैं आत्मा परमात्मा छत्रछाया में हूँ।	22. मैं आत्मा महावीर हूँ।
8. मैं आत्मा साक्षीद्रष्टा हूँ।	23. मैं आत्मा अचल-अडोल हूँ।
9. मैं आत्मा हीरो एक्टर हूँ।	24. मैं आत्मा निर्विघ्न हूँ।
10. मैं आत्मा सर्व श्रेष्ठ हूँ।	25. मैं आत्मा विजय हूँ।
11. मैं आत्मा कुल दीपक हूँ।	26. मैं आत्मा नथिंग न्यू की स्मृति में रहनेवाली हूँ।
12. मैं आत्मा राजऋषि हूँ।	27. मैं आत्मा सफलतामूर्त हूँ।
13. मैं आत्मा स्वदर्शन चक्रधारी हूँ।	28. मैं आत्मा मा. त्रिकालदर्शी हूँ।
14. मैं आत्मा महान हूँ।	29. मैं आत्मा बीती को बिन्दी लगाने वाली हूँ।
15. मैं आत्मा न्यारी प्यारी है।	30. मैं आत्मा प्रश्नों से पार प्रसन्नचित्त रहनेवाली हूँ।
	31. मैं आत्मा साथी और साक्षी दृष्टा हूँ।

❖ हर मास के प्रथम सप्ताह में निम्नलिखित पोस्टकार्ड लिखकर महादेवनगर युवा प्रभाग कार्यालय में भेजना है। अगर आप मर्यादा पुरुषोत्तम ग्रुप में शामिल होना चाहते हैं तो पोस्टकार्ड में जरूर से लिखें:

नाम: _____	सेन्टर का नाम: _____	DiDar No: _____
गुड मॉर्निंग-90%		अमृतवेला-75%
व्यायाम/पैदल-80%		ट्रैफिक कंट्रोल-90%
मुरली क्लास-90%		नुमाशाम का योग-80%
स्वमान की स्मृति-75%		अव्यक्त मुरली पढ़ी?-80%
साथी और साक्षी -50%		गुड नाइट-95%
चार्ट: OK या OK		टीचर के हस्ताक्षर
मैं मर्यादा पुरुषोत्तम ग्रुप में जुड़ना चाहता हूँ।		